महत्वपूर्ण एवं खास

व्यक्ति नहीं केंद्र सरकार है निशाने पर

हल्द्वानी ,(आरएनएस)। हल्द्वानी पहुंचे प्रसिद्ध समाजसेवी अन्ना हजारे ने कहा कि उनकी लड़ाई सरकार से है,किसी व्यक्ति पार्टी या संगठन से नहीं। केन्द्र सरकार की विफलताओं व लोकपाल का गठन नहीं होने के विरोध में वह अपनी यात्रा पर निकले हैं। हल्द्वानी पहुंने के बाद समाजसेवी अन्ना हजारे ने कहा कि उत्तराखंड में भी लोकपाल गठन नहीं किया गया है। इससे पता चलता है कि यहां की सरकार भी भ्रष्टाचार खत्म नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि बिना राजनीतिक हस्तक्षेप के भ्रष्टाचार को खत्म नहीं किया जा सकता है। इसके लिए जनता को जागरूक होना होगा। अन्ना ने माना कि सौ फीसदी भ्रष्टाचार पर रोक संभव नहीं है। जिस स्तर पर आम आदमी भ्रष्टाचार से जूझ रहा है,उसे रोकना पूरी तरह मुमकिन है। इसके लिए जरूरी है कि सरकार गंभीर होकर काम करे। अपने घटते समर्थन के सवाल पर अन्ना की कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में पता चल जाएगा कि वह जो लड़ाई लड़ रहे हैं। उसमें देश के किसान व गरीब उनके साथ हैं या नहीं। अन्ना ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सिर्फ जीएसटी व नोटबंदी की बात कर रही है। लेकिन खेती पर निर्भर किसानों को 5 हजार की पेंशन देने वाला बिल सरकार लोकसभा में पास नहीं कर पा रही है। किसानों की आत्महत्या पहले की तरह ही जारी है। प्रधानमंत्री मोदी किसानों के इन सभी सवालों पर खामोश हैं।

एसआइटी से जांच अधिकारी ने लिए दस्तावेज

रुद्रपुर , (आरएनएस)। एनएच मुआवजा घोटाले में पूर्व एसएलएओ डीपी सिंह, बिल्डर प्रिया शर्मा और उनके साझेदार सुधीर चावला पर किच्छा में दर्ज मुकदमे की जांच शुरू हो गई है। जांच अधिकारी एसओ किच्छा मोहन चंद्र पांडे ने सोमवार को एसआइटी कार्यालय पहुंच जांच रिपोर्ट के साथ ही आवश्यक दस्तावेज कब्जे में लिए। एसआइटी के मुताबिक रविवार को किच्छा कोतवाली में टोल से सटी जमीन गलत तरीके से खरीदने के आरोप में पूर्व एसएलएओ डीपी सिंह, बिल्डर प्रिया शर्मा और उनके साझेदार सुधीर चावला पर केस दर्ज हुआ था। इसकी जांच एसओ किच्छा मोहन चंद्र पांडे को सौंप दी गई थी। एसएसपी सदानंद दाते ने बताया कि जांच के लिए एसओ किच्छा को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए गए हैं। पुलिस महिला बिल्डर और उनके साझेदार की तलाश में जुटी हुई है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में एसआइटी रुद्रपुर, किच्छा और गदरपुर तहसील की जांच कर रही है। बीते दिनों गदरपुर तहसील के करीब आधा दर्जन मामलों में खामियां मिली थी। इस पर एसआइटी ने संबंधित काश्तकारों को बुलाकर उनके हस्ताक्षर और हस्तलेख लिए थे, लेकिन दो काश्तकार नहीं पहुंचे। एसआइटी के मुताबिक शेष दो काश्तकारों के हस्ताक्षर और हस्तलेख लेने के लिए बुलाया गया है। एक-दो दिन में वे एसआइटी के समक्ष पेश होंगे। इसके बाद सभी छह काश्तकारों के हस्ताक्षर और हस्तलेख लेकर मिलान को एफएसएल देहरादून भेजा जाएगा। एनएच मुआवजा घोटाले में बीते दिनों एसआइटी ने रुद्रपुर और किच्छा के आधा दर्जन से अधिक काश्तकारों को नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। नोटिस के बाद सोमवार को रुद्रपुर के दो और किच्छा के दो काश्तकार एसआइटी कार्यालय पहुंचे। वहां एसआइटी ने उनसे सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक पूछताछ की। साथ ही दस्तावेजों की जांच कर उनके बयान भी दर्ज किए। एनएच मुआवजा घोटाले में एसआइटी को किच्छा तहसील की जांच में कुछ खामियां मिली। इस पर सोमवार को छह काश्तकारों को नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही काश्तकारों को निर्धारित तिथि पर अपने मूल दस्तावेजों के साथ एसआइटी के समक्ष पेश होने को कहा गया है। मुआवजा घोटाले में काश्तकारों ने कृषि भूमि को अकृषक दिखाकर कई गुना मुआवजा लिया था। एसआइटी की कार्रवाई के बाद जसपुर, बाजपुर और सितारगंज के कई काश्तकारों ने मुआवजा वापस करने के लिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया था। एसआइटी ने मामले को न्यायालय से भी अवगत कराया था।

इस पर न्यायालय के आदेश पर एसबीआइ में खाता खोला गया था, ताकि काश्तकार मुआवजा वापस कर सके। दो सप्ताह बीत गए हैं, लेकिन अभी तक किसी भी काश्तकार ने मुआवजा वापस नहीं किया। एसआइटी के मुताबिक काश्तकार मुआवजा की कितनी राशि जमा करनी है, इसे लेकर असमंजस में हैं। काश्तकारों से संपर्क किया जा रहा है।

आग लगने से एक मकान जलकर हुआ राख

पिथौरागढ़ ,(आरएनएस)। तहसील मुख्यालय से करीब 26 किमी दूर वल्थी गांव के एक मकान में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। जिससे घर में रखा सामान, नकदी और जेवर खाक हो गए। इस अग्निकांड में दो पालतू मवेशी जिंदा जल गए। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे राजस्व विभाग की टीम ने क्षति का आंकलन किया। बीती देर रात तहसील मुख्यालय के वल्थी गांव के लक्ष्मण सिंह देवली पुत्र स्व. बहादुर सिंह देवली के मकान में आग लगी गई। लकड़ी का पुराना मकान होने के कारण आग के तेजी से फैलने के कारण मकान में रह रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। परिवार के सदस्यों के सोर मचाने के बाद गांव के लोग वहां पहुंचे। ग्रामीणों ने किसी तरह मवेशियों को घर से बाहर निकालकर आग बुझाने की नाकाम कोशिश की। आग इतनी भयंकर थी लक्ष्मण सिंह की एक गाय और एक बछड़ा जिंदा जल गए जबकि एक मवेशी को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना ग्राम प्रधान कैलास देवली ने राजस्व उपनिरीक्षक को दी।अग्निकांड में चार कमरे के मकान में रखा सामान राख में बदल गया है। इस अग्निकांड की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक गणेश सिंह टोलिया ने कहा कि क्षति का आंकलन कर लिया गया है।प्रभावित परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। रविवार देर रात करीब 12 बजे लक्ष्मण सिंह के मकान में आग लग गई। आग लगने का पता सबसे पहले लक्ष्मण सिंह की पत्नी को लगा। उन्होंने शोर मचाकर परिजनों को जगाया और गांव में सूचना दी। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। ग्राम प्रधान ने बताया कि मकान में लगी आग को बुझाने में लक्ष्मण सिंह हल्का झुलस गया। उन्होंने कहा कि आग से लक्ष्मण सिंह के घर में रखी नकदी, जेवर, सामान और कपड़े जलकर राख हो गए।

लक्ष्मण सिंह बेरोजगार है। वह दूध बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। 15 दिन पहले ही उसने 30 हजार में गाय और बछड़े को खरीदा था। गाय और बछड़े से जलकर मौत हो जाने से लक्ष्मण के समीप परिवार के भरण-पोषण की समस्या आ खड़ी हुई।

शिक्षक संघ का आंदोलन का ऐलान

हल्द्वानी ,(आरएनएस)। अगले सप्ताह से वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी के बीच प्राथमिक शिक्षक संघ ने आंदोलन की चेतावनी दे दी है। पदोन्नति लिस्ट जारी नहीं होने पर 6 मार्च को प्राथमिक शिक्षक संघ ने धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। नैनीताल जिले में बीते ढाई साल से प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूल के शिक्षकों की पदोन्नति नहीं हो सकी है। इससे शिक्षकों में नाराजगी है। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ ने सोमवार की शाम तक पदोन्नति की सूची जारी करने की मांग करने को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा को पत्र भेजा है। संघ के जिला मंत्री डिकर सिंह पडियार ने कहा कि बीते 6 जनवरी 2018 को संघ के प्रतिनिधिमंडल को जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा ने फरवरी के अंत तक पदोन्नति सूची जारी करने का आश्वासन दिया था। मगर 3 मार्च बीतने के बावजूद पदोन्नति की सूची जारी नहीं हुई है। अब शिक्षकों का समायोजन किया जाने लगा है। इससे शिक्षकों में नाराजगी है। जबकि शिक्षा निदेशक ने पदोन्नति की सूची जारी करने के निर्देश दिए हैं। बताया कि अन्य जिलों में कई बाद पदोन्नति सूची जारी हो चुकी है, जबकि नैनीताल जिले में बीते ढाई साल से पदोन्नति नहीं हो सकी है। डिकर सिंह पडियार ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी प्राथमिक शिक्षा को 5 मार्च की शाम 5 बजे तक पदोन्नति सूची जारी करने का समय दिया गया है। साथ ही सूची की एक कॉपी संगठन को भी दिए जाने की बात कही है। सूची जारी नहीं होने पर 6 मार्च को शिक्षक संघ जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेगा। शिक्षकों का समायोजन अभी नहीं करें: शिक्षकों की पदोन्नति सूची जारी नहीं होने पर भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने भी नाराजगी जतायी है। राम सिंह कैड़ा ने डीएम को पत्र लिखकर कहा है कि वर्तमान में छात्रों का वार्षिक मूल्यांकन होना है, इस कारण इस समय शिक्षकों का समायोजन करना सही नहीं है। विधायक ने जल्द शिक्षकों की पदोन्नति सूची जारी करवाने के लिए कार्रवाई करने के लिए कहा है। वार्षिक मूल्यांकन हो सकता है प्रभावितः जिले के प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों में 13 मार्च से वार्षिक परीक्षा और मूल्यांकन का काम शुरू होना है। लेकिन शिक्षकों के आंदोलन से इसके प्रभावित होने का अंदेशा पैदा हो रहा है। हालांकि शिक्षक संघ ने वार्षिक मूल्यांकन को प्रभावित नहीं होने देने की बात कही है। फिर भी आंदोलन का असर परीक्षाओं पर भी पड़ सकता है। 440 प्रधानाध्यापक के पद खालीः शिक्षक संघ के अनुसार जिले में प्राइमरी प्रधानाध्यापकों के करीब 800 पद स्वीकृत हैं। इसमें से 440 पद करीब खाली हैं। जबकि जूनियर सहायक अध्यापकों के 150 पद और जूनियर हाईस्कूल के प्रधानाध्यापकों करीब 60 पद खाली पड़े हैं। पदोन्नति होने पर इन पदों के भरने से स्कूलों को प्रधानाध्यापक भी मिलेंगे और शिक्षक भी। मगर जिला शिक्षा अधिकारी के पदोन्नति सूची जारी नहीं करने से बच्चों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कर्मचारी संघ ने काला फीता लगाकर किया प्रदर्शन

हरिद्वार ,(आरएनएस)। हरिद्वार जिले में स्वास्थ्य विभाग के चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है। कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर विरोध-प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि छोटे तबके के कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने के लिए अधिकारियों के पास समय ही नहीं है। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग के चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ ने अपने-अपने संस्थानों में काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका ये प्रदर्शन सात मार्च तक जारी रहेगा। उनका आरोप है कि चतुर्थ श्रेणी वर्ग के कर्मचारियों के लिए अधिकारियों के पास वक्त नहीं है। उन्होंने अपने कानों में रुई डाली हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने संघ को अभीतक वार्ता के लिए नहीं बुलाया है, जो बेहद अफसोसजनक है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों का निस्तारण नहीं किया जाएगा, तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा। संघ के कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र ने बताया कि वर्दी आवासों की मरम्मत, रगांई पुताई, चिकित्सा बिलों की प्रतिपूर्ति, मृतक आश्रितों के देयकों का भुगतान करने, टीएडीए का भुगतान, जीपीएफ लेखा पर्ची दिए जाने, एरियर का भुगतान आदि मांगों का निस्तारण नहीं किया है। ये सभी मांगें स्थानीय अधिकारियों के स्तर की हैं। बावजूद इसके इनका समाधान नहीं हो पाया है।

मेयर की गिरफ्तारी के बाद तनाव

रुड़की ,(आरएनएस)। भाजपा पार्षद से मारपीट में मेयर यशपाल राणा की गिरफ्तारी के बाद रुड़की में माहौल तनावपूर्ण है। दिनभर हाईवोल्टेज ड्रामा चलता रहा। पुलिस ने भाजपा पार्षद पर जानलेवा हमला करने के आरोप में सुबह साढ़े आठ बजे मेयर यशपाल राणा की घर से गिरफ्तारी दिखाई। मेयर की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही उनके समर्थक कोतवाली पहुंचने लगे। 11 बजे तक कोतवाली के बाहर मेयर समर्थकों की भीड़ जमा होने लगी। पुलिस बल लगाकर गेट के अंदर समर्थकों का प्रवेश रोका गया। इस बीच कलियर विधायक फुरकान अहमद, भगवानपुर विधायक ममता राकेश, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कलीम खान आदि कांग्रेसी कोतवाली पहुंचे और मेयर को कोतवाली से जमानत दिए जाने की मांग करने लगे। पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। कांग्रेसियों ने हंगामा शुरू कर दिया। एसपी देहात मणिकांत मिश्रा ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल आधार पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी की गई है। बाद में कांग्रेसियों की ओर से तहरीर दिए जाने की बात कही गई और हंगामा शांत हुआ। गाड़ी के आगे लेटे समर्थकों को बलपूर्वक हटाया पुलिस 12.20 बजे मेयर को कोतवाली से लेकर निकली। उन्हें पहले मेडिकल के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। जैसे ही मेयर को लेकर पुलिस की गाड़ी आगे निकली उनके समर्थकों ने गाड़ी को घेर लिया। कुछ कांग्रेसी गाड़ी के आगे लेट गए। पुलिस ने बल प्रयोग कर समर्थकों को हटाया। मेयर को जैसे-तैसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट जाने के दोनों रास्तों के गेट बंद कर दिए। मेयर की गिरफ्तारी से लेकर उन्हें जेल भेजने तक पूरी कार्रवाई के दौरान पुलिस की सांस अटकी रही।

बारात में शराब परोसी तो होगा सामाजिक बहिष्कार

बागेश्वर ,(आरएनएस)। 'हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए'.. प्रख्यात शायर दुष्यंत कुमार के इस क्रांतिकारी शेर को सिल्ली के ग्रामीण अब चरितार्थ करेंगे। वे अपने निर्णय से न केवल पर्वत सी पीर को पिघलाकर शराब की समस्या से निजात पाएंगे बल्कि शराब जैसी बुराई पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक नई रवायत की गंगा को भी कत्यूर की धरती से प्रवाहित करेंगे। सिल्ली गांव में शादी या अन्य समारोहों और तीज-त्योहारों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। लोगों का स्वागत यहां अब दूध, दही, मट्ठा और जूस से किया जाएगा। तहसील के सिल्ली गांव में कुछ जागरूक लोगों की पहल ने अब शराब परोसना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। गांव के कुछ जुझारु युवाओं और लोगों ने गांव में एक बैठक कर अब शराब पीने और पिलाने वालों का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पहाड़ों में शराब का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में आ रही है और इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि शराब पर प्रतिबंध लगने से अब शराब पीने से होने वाली मौतों पर भी लगाम लगेगी। ग्रामीणों ने तय किया कि जो व्यक्ति गांव में शराब पिलाएगा उसके आंगन में अगले साल से होली भी नहीं खेली जाएगी और उसे समाज से निष्कासित भी कर दिया जाएगा। इस दौरान रघुवीर सिंह नेगी, हरिदत्त खोलिया, जीवन दुबे, अखिल जोशी, रमेश खोलिया, डीके नेगी, सोनू दुबे, गुड्डू स्वामी, राजेंद्र खोलिया, गणेश पांडे, आनंद दूबे आदि मौजूद थे। शादी-बारातों में अब सिल्ली के ग्रामीण गोला भी नहीं देंगे। उन्होंने वर्षों पुरानी इस प्रथा को समाप्त करने का निर्णय लिया है। पहाड़ों में अमूमन लड़की की शादी में दी जाने वाली भेंट के बदले गोले देने की प्रथा है। लेकिन अब ग्रामीणों ने इसे भी समाप्त करने का निर्णय ले लिया है।

उद्यान विभाग 90 प्रतिशत सब्सिडी पर काश्तकारों को देगा बीज

रुद्रप्रयाग, (आरएनएस)। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रथम चरण में जनपद के 53 गांवों में प्रतीकात्मक रूप में औद्यानिकी व कृषि उत्पादन को बढावा देने के उद्देश्य से लगभग ढाई हजार महिला कृषकों द्वारा खेतों में बीज बुवाई का कार्यक्रम किया जाएगा। बीज बुवाई के लिये कृषकों द्वारा भूमि सुधारखेत तैयार दिए गए हैं व उद्यान विभाग द्वारा कृषकों के लिए मिनी बीज किट, फ्रासबीन, भिंडी, टमाटर, शिमला मिर्च आदि तैयार किए गए हैं, जो कि 90 प्रतिशत सब्सिडी पर दिए जाएगें। बीज बुवाई कार्यक्रम की तैयारियों की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी मंगेश घिल्डियाल ने कहा कि महिलाओं की आजीविका में सुधार के लिये गांव मे सब्जी उत्पादन का कार्य किया जा रहा है, जिससे आय में सुधार आए व आर्थिकी मजबूत हो। जनपद में ही सब्जी की खपत हो जाएगी व बाहर से नहीं मंगाना पड़ेगा। इस कार्य के लिए प्रथम चरण में चयनित 53 गांव में अधिकारियों को गांव भी आवंटित किए हैं, जिससे मानिटरिंग की जा सके। इसके पश्चात पूरे माह यह कार्य किया जाएगा व अधिक से अधिक कृषकों को सब्जी उत्पादन से जोडा जाएगा। उद्यान विभाग द्वारा 5 हजार मिनी किट तैयार किए गए हैं। इसके साथ ही रिलायंस फाउण्डेशन द्वारा जखोली क्षेत्र में लगभग 150 पॉली हाउस में व्यवसायिक तौर टमाटर का उत्पादन का कार्य शुरू किया जाएगा। जो भी कृषक मशरूम उत्पादन का कार्य करना चाहते हैं, उनके लिए 19 रूपये प्रति किलोग्राम की दर से मशरूम उत्पादन के लिये कम्पोस्ट व स्पांज दिया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त कृषकों को पारम्परिक कृषि के स्थान पर नगदी फसल व व्यवसायिक कृषि करने को कहा है। कृषक बागवानी कार्य के लिये किसी भी प्रकार की समस्या व सहायता के लिए निकटतम उद्यान, कृषि कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं। बीज बुवाई कार्यक्रम के पश्चात अधिकारियों को गांववार निर्धारित प्रारूप पर रिपोर्टिंग करनी होगी। साथ ही सभी फील्ड कर्मचारियों का मूल्यांकन इसी आधार पर किया जाएगा कि वह क्षेत्र में कितना सक्रिय है। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ रमेश सिंह नितवाल सहित अन्य मौजूद थे।

जनसामान्य को जल संरक्षण के लिए प्रेरित कर जलाभिषेक अभियान से जोड़े

रायसेन ,(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा में निराकृत किए जाने वाले प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर मती भावना वालिम्बे ने विभागों के समय सीमा वाले प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाईन, समाधान ऑनलाईन, जनवाणी तथा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के साथ ही समय सीमा वाले विभागीय आवेदन पत्रों का शीघ्र निराकरण किया जाए। बैठक में कलेक्टर मती वालिम्बे ने कहा कि विश्व जल दिवस 22 मार्च के अवसर पर जिले में जलाभिषेक अभियान के तहत जल संरक्षण के कार्य आरंभ किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संरक्षण के कार्यो के लिए वे प्राचीन जल संरचनाओं तथा नवीन जल संरचनाओं की आवश्यकता के तकनीकी प्रस्ताव 10 मार्च तक भिजवाना सुनिश्चित करें ताकि प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर जल संरक्षण के कार्यो को शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने 14 मार्च को आयोजित होने वाली ग्राम सभाओं में लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करने तथा उन्हें जलाभिषेक अभियान से जोड़ने के लिए भी कहा। बेगमगंज जनपद में आयोजित चौपालों के प्रतिवेदन जिन अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत नहीं किए गए हैं, तत्काल प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आगामी 14 मार्च को जिले में आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभाओं के संबंध में विभागीय गतिविधियों की तैयारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मती वालिम्बे ने बताया कि इन ग्राम सभाओं में अद्यतन मतदाता सूची तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों की सूची का वाचन किया जाएगा। साथ ही बालक तथा बालिकाओं का सम्पूर्ण टीकाकरण आशा कार्यकताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सरपंच, सचिव के संयुक्त हस्ताक्षर से शतप्रतिशत टीकाकरण पूर्ण होने का प्रमाणी करण किया जाएगा। ग्राम सभाओं में प्रेरणा योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी दी जाएगी। पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार पेयजल की समुचित उपलब्धता के निर्देश दिए।

समस्याएं नहीं सुलझी तो करेंगे क्रमिक अनशन

चम्पावत ,(आरएनएस)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं का 28 वें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रहा। सोमवार को उन्होंने कॉलेज परिसर में मांगों को लेकर नारेबाजी की। चेतावनी दी कि मांगें शीघ्र पूरी नहीं हुई तो क्रमिक अनशन किया जाएगा। छात्र-छात्राएं एमए में अंग्रेजी, हिन्दी, समाज शास्त्र, इतिहास विषय खोलने, एमएससी और एमकॉम खोलने की मांग कर रहे हैं। छात्र संघ अध्यक्ष नाथ सिंह बोरा ने कहा कि पिछले वर्ष उच्च शिक्षा मंत्री ने एमए में समस्त विषय खोलने का आश्वासन दिया था। उसके बाद भी कॉलेज की मागें जस की तस बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि अगर शीघ्र मांगे पूरी नहीं हुई तो छात्र एकजुट होकर सड़क पर उतरेंगे। इस मौके पर मनीष बिष्ट, दिपांशु चतुर्वेदी,प्रमोद बडेला, राहुल रावत, मोहित गहतोड़ी, आदर्श भट्ट मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट को लेकर केमिस्ट एसोसिएशन में विवाद

हल्द्वानी ,(आरएनएस)। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की नगर कार्यकारिणी का चुनाव विवादों में घिर गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव जायसवाल ने प्रांतीय अध्यक्ष व महामंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इसे लेकर 10 मार्च को प्रस्तावित मतदान की तिथि पर संकट पैदा हो गया है। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन में कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर पहले से ही घमासान मचा था। एक-दूसरे पर जमकर छींटाकशी चल रही थी। विवाद तब बढ़ गया, जब गुपचुप तरीके से सदस्यता सूची तैयार कर ली गई। कुछ पदाधिकारियों द्वारा वोटर लिस्ट तैयार कर मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजीव जायसवाल को सौंपने की तैयारी हो रही थी तो पता चला कि इस सूची में निवर्तमान अध्यक्ष नीरज कांडपाल समेत करीब 150 से अधिक नाम गायब थे। नीरज अध्यक्ष पद के दावेदार भी हैं। इस दबाव में मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाए गए राजीव जायसवाल ने अपने पद से ही इस्तीफा दे दिया। इस मामले में प्रांतीय कार्यकारिणी ने जिलाध्यक्ष प्रेम मदान से पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है। मुझ पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा था। दावेदारों में सिर फुटव्वल की नौबत आ गई थी। ऐसे में मेरा निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराना संभव नहीं होता। इसलिए मैंने अपना इस्तीफा प्रांतीय कार्यकारिणी को सौंप दिया है।